colleges at a particular time in a day so as to ensure equal standard of education to be imparted to students both in urban and rural areas?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI S. JAIPAL REDDY): No, Sir. For want of adequate software as well as facilities in schools/colleges to receive the software signals, currently it is not a feasible proposition.

गढ़वाल और कुमाऊं दूरदर्शन केन्द्रों से क्षेत्रीय कार्यक्रम का प्रसारण

3310. **श्री मनोहर कान्त ध्यानी:** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दूरदर्शन केन्द्रों पर प्रसारण हेतु क्षेत्रीय कार्यक्रमों के चयन के लिए क्या मानदण्ड निर्धारित किया गया है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्रों के कार्यक्रमों के संबंध में देहरादून को कितने प्रस्ताव मिले हैं और प्रसारण के लिए ऐसे कितने कार्यक्रमों का चयन किया गया है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान इन क्षेत्रों से प्राप्त हुए कार्यक्रमों का प्रतिशत क्या है; और

(घ) इन क्षेत्रों के और अधिक कार्यक्रमों का प्रसारण करने हेतु सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एस० जयपाल रेड्डी): (क) सभी क्षेत्रीय भाषाओं को प्रतिनिधित्व प्रदान करने का दूरदर्शन का सतत प्रयास रहता है। इस समय दूरदर्शन 13 क्षेत्रीय भाषाओं के उपग्रह चैनलों को परिचालित करता है जो केवल क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों को प्रसारित करते हैं। इसके अतिरिक्त डीडी-I तथा डीडी-II चैनल क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों को प्रसारित करते हैं जो डिश एण्टीना के जरिए समग्र देश में भी उपलब्ध हैं।

(ख) देहरादून में कोई दूरदर्शन केंद्र नहीं है अतः गढ़वाल तथा कुमाऊं क्षेत्रों के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होने का प्रश्न ही नहीं उठता। तथापि, इन क्षेत्रों के निर्माता दूरदर्शन केंद्र, लखनऊ को अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं।

(ग) और (घ) लखनऊ स्थित दूरदर्शन केंद्र, गढ़वाल तथा कुमाऊं क्षेत्रों के विषयों पर कार्यक्रमों को समायोजित करने के लिए सभी प्रयास करता है। हाल ही में केंद्र ने इस क्षेत्र से संबंधित लगभग 8 वृत्तचित्रों को कमीशण्ड किया है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न घरेलू तथा अन्य कार्यक्रमों में क्षेत्र की वनस्पति तथा जीव जन्तुओं, समारोहों तथा वार्षिकोत्सवों पर प्रकाश डाला जाता है।

दूरदर्शन पर हिन्दी कार्यक्रमों का प्रसारण

3311. **श्री रामजीलाल:** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दूरदर्शन के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चैनलों पर राष्ट्रीय भाषा अर्थात् हिन्दी के कार्यक्रमों का प्रसारण कितने समय तक किया जाता है;

(ख) क्या सरकार क्षेत्रीय चैनलों पर हिन्दी कार्यक्रमों को समय बढ़ाने का प्रयत्न करेगी; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या करण हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एस० जयपाल रेड्डी): (क) राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अर्थात डी०डी० I पर हिंदी कार्यक्रमों के लिए दिया गया समय कुल प्रसारण समय का लगभग 70-75% है। जबकि हिंदी भाषी क्षेत्रों में क्षेत्रीय चैनलों में हिंदी कार्यक्रमों को दिया गया समय कुल प्रसारण समय का लगभग 90-95% है। गैर-हिन्दी भाषी क्षेत्रों में क्षेत्रीय चैनलों में संबंधित क्षेत्र की भाषा को प्रसारण समय का लगभग 90% समय दिया जाता है और शेष समय हिंदी, उर्दू, संस्कृत तथा क्षेत्र की अन्य भाषाओं के लिए रखा जाता है। इसके अलावा, डी०डी० 2 चैनल जो 46 शहरों में उपलब्ध है, पर केवल 80% कार्यक्रम हिंदी में हैं।

(ख) और (ग) विभिन्न भाषा वाले क्षेत्रों में क्षेत्रीय चैनल मुख्य रूप से संबंधित क्षेत्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए होते हैं तथा वे राष्ट्रीय कार्यक्रमों की कमी को पूरा करते हैं जिनका प्रसारण क्षेत्र व्यापक है। दूरदर्शन के विभिन्न चैनलों पर हिन्दी कार्यक्रमों को दिया गया समय पर्याप्त समझा गया है।

Introduction of Broadcasting Bill in the Parliament

3312. SHRI AMAR SINGH: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have finalised the legislation on Broadcasting;

(b) if so, the details thereof; and

(c) by when it is proposed to be brought forward in the Parliament?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI S. JAIPAL REDDY): (a) to (c) Finalisation of the Bill on broadcasting is at an advanced stage. The proposed Bill would, inter alia, provide for operation and regulation of private broadcasting in the country. The Bill is likely to be introduced during the current session of Parliament.

Threatening of Agitation by Doordarshan and Akashwani Employees

3313. SHRI SHIV CHARAM SINGH:
SHRI GOVINDRAM MIRI:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether technical employees of Doordarshan and Akashwani have threatened to launch agitation;

(b) if so, the details of their grievances;

(c) whether any bilateral negotiations have since been held;

(d) if so, the detailed outcome; and

(e) if not the reasons therefor?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI S. JAIPAL REDDY): (a) and (b) Yes, Sir. The grievances mainly relate to the recommendations of the Pay Commission, payment of arrears, etc.

(c) to (e) The representatives of Technical Employees have had series of discussions at various levels in the Ministry. The representatives were promised that their demands will be considered sympathetically.

Private Investment for Channel 3

3314. SHRI SATISH PRADHAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Doordarshan is seeking approval of Government for private investment of Rs. Thirty crores for Channel 3; and

(b) if so, the details of the proposal finalised/under consideration and likely impact thereof?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI S. JAIPAL REDDY): (a) and (b) No. Sir, Government is only examining the feasibility of obtaining private funding participation to expand the terrestrial network of Doordarshan's DD3 channel in order to enable a larger segment of Indian viewers gain access to three free to air terrestrial channels offering a wide variety of programmes. The specific modalities in this regard are yet to be decided.

Assessment of Government Media in Projecting the National and International News

3315. SHRIMATI KAMLA SINHA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have made any critical assessment of Government media in projecting the national and international news and its performance as compared to international standards and other news agencies like BBC;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what steps are contemplated by Government to bring professionalism in the media and to raise the standard of the news services?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI S. JAIPAL REDDY): (a) to (c) Even though no